## पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका:

परियोजना के उद्‌देश्यों की आमजन तक सूचना एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी के लिये पंचायतों के जन प्रतिनिधियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इन सेवाओं की देखरेख करके कार्यक्रम की विभिन्न बातों को स्वयं समझेगें, दूसरों को समझायेगें और इसमे आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करेंगे, जिससे जन साधारण के हित में परियोजना की गतिविधियों और संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देने में सहयोग होगा। स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ बनाने में पंचायती राज संस्थाओं से निम्न सहयोग अपेक्षित है :–

- अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का जन भागीदारी द्वारा आंकलन करना। इसके अन्तर्गत ग्राम पंचायतों को प्रत्येक गांव के स्तर पर जनता की समस्याओं के उनसे विचार–विमर्श कर समझाना तथा प्रमुख समस्याओं को चिन्हित करना।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप केन्द्र पर कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा उनको सुचारू रूप से लागू करना।
- स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं उनके कार्यों पर निगरानी करना तथा यह सुनिश्चित करना कि वह अपने कार्यक्षेत्र में उपलब्ध रहे।
- जनसंख्या स्थिरीकरण के लिये कार्यक्रम में पूर्ण भागीदारी के साथ सहयोग करना तथा विशेष रूप से महिलाओं के लिये प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य सुविधाओं के उपयोग को अधिक से अधिक बढ़ावा।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों एवं परियोजनाओ को लागू करवाना।
- इसके अतिरिक्त पर्यावरण एवं वातावरण की साफ–सफाई पर भी ध्यान देना जैसे कि पेयजल के कुओं को कीटाणु रहित करना, गड्ढो में भरे पानी की निकासी और कचरा निस्तारण को प्रबंध करना, हैण्ड पम्पों का रख रखाव एवं शौचालय का निमार्ण करना इत्यादि।